है और न वहां के किसानों के पास अच्छी किस्म की नस्ल के पशु हैं, यदि हां, तो सरकार इस संबंध में क्या कदम उठाने का विचार रखती है ; और

(ख) क्या राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान की किसी शाखा द्वारा बिहार में उन्नत किस्म वाली नई प्रजातियां विकसित किए जाने की संभावना है, यदि हां, तो कब तक तथा यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) जी हां, श्रीमन् । भा०कृ०अ०प०. से सहायता प्राप्त अनुसंधान प्रायोजना का कोई केन्द्र बिहार में कार्य नहीं कर रहा है। फिर भी, मवेशी विकास के कार्य पर राज्य सरकार पूरा ध्यान दे रही है जिसने अनेक मवेशी विकास योजनाएं आरम्भ की हैं । इसमें 9 गहन मवेशी विकास योजनाएं (आई सी डी पी) और 82 मूल ग्रामीण प्रखंड हैं । इसके अति रिक्त बिहार में आपरेशन फलड भी कार्य कर रहा है । जिसके अन्तर्गत 380 डेरी सहकारी समितियां हैं जिनमें 10,000 कृषक परिवार कार्य कर रहे हैं ।

(ख) जी हां, श्रीमन् । राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र को जो कल्यानी (पश्चिम बंगाल) में स्थित है, पूर्वी क्षेत्र में स्थित अन्य राज्यों के डेरी अनुसंधान की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही बिहार राज्य के डेरी अनुसंधान की जरूरतों को भी पूरा करना होता है । यह केन्द्र पूर्वी क्षेत्र में पाई जाने वाली स्थितियों के अन्तर्गत होल्स्टीन, ब्राउनस्वीश और जर्सी नस्ल के संकरों के मूल्यांकन का कार्य कर रहा है । अधिक दूध देने वाले मवेशियों को तैयार करने में अभी इस केन्द्र को पूरा समय लगेगा ।

766. [*Transferred to the 29th April, 1987.*]

Gas Leakage in Rourkela Steel Plant

767. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether any inquiry has been conducted into the leakage of Gas in which 18 workers were injured in the Rourkela Steel Plant during December, 1985;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what action has been taken by Government against the persons found responsible?

THE MINISTER OF ENERGY AND THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI VASANT SATHE): (a) Yes, Sir.

(b) The Enquiry Committee has observed that, statutory repairs were started on the High Pressure Boiler No. 4 in Captive Power Plant-I from December 3, 1985. The overhaul of blast furnace gas burner valves installed on this boiler hearth was started on December 7, 1985 by seven contract workmen. While the valve bonnet of Burner Valve No. 3 was being taken out, some amount of blast furnace gas entrapped in the pipe bend between the control valve and the burner escaped, affecting the seven workmen. 11 employees of Steel Plant who were working nearby ran to the rescue of the seven affected persons. These seven persons were rescued and sent to hospital immediately. Five affected persons were discharged on December 7, 1985 itself and the remaining two were discharged on December 8, 1985. As a precaution, the 11 RSP employees who had rescued the seven contract workmen were also admitted for observation in the hospital. Out of these 11 employees, three were discharged on December 7, 1985 and the remaining eight on December 8, 1985. All the 18 affected persons resumed duty after the prescribed rest period.

(c) The Departmental Enquiry Committee did not find any grounds to fix responsibility on any person(s). The Committee held that the incident of gas leakage was neither due to improper maintenance of equipment nor due to any improper work methodology. The leakage of a small quantity of gas was purely accidental. The safety equipment was also in proper working condition.